हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

9 स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए पोर्टल फिर...

10 पोर्टल पर पंजीकृत जमीन की रिपोर्ट से यूरिया व डीएपी वितरण करने...

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

**सैनी सभा चुनाव**

## अनशन पर बैठा एक पक्ष, समाज के एक बड़े वर्ग को चुनाव में शामिल नहीं करने का आरोप

- बोले.. प्रशासक व जिला रजिस्ट्रार ने समाज के 1775 लोगों को नहीं किया चुनाव में शामिल
- न्याय नहीं मिलने तक जारी रहेगा आमरण अनशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सैनी सभा प्रशासक व जिला रजिस्ट्रार की ओर से समाज के एक वर्ग को चुनाव में शामिल नहीं करने के विरोध में शहर वार्ड नंबर तीन वासी गगन सैनी शनिवार को अंबेडकर चौक पर आमरण अनशन पर बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सैनी सभा प्रशासक व जिला रजिस्ट्रार ने सोसायटीज एक्ट 2012 के कानून को नहीं मानते व तानाशाही रवैया अपनाते हुए समाज के एक बड़े वर्ग करीब 1775 लोगों को चुनाव मे शामिल नहीं किया। उन्होंने कहा कि अन्न व जल त्याग कर न्याय नहीं मिलने तक आमरण अनशन पर रहेगा।

उन्होंने कहा कि या तो जिला रजिस्ट्रार व सैनी सभा प्रशासक डॉ. देवेंद्र यादव अपनी गलती को सुधारें अन्यथा सैनी क्षेत्रिय सभा के चुनाव नहीं रोकने तक अनशन पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि सैनी सभा प्रशासक डॉ. देवेंद्र यादव ने अपने चहेते को प्रधान बनाने के लिए सोसायटीज एक्ट 2012 की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

महेंद्रगढ़। अनशन पर बैठा गगन सैनी, साथ धरना देते अन्य लोग। फोटो : हरिभूमि

***सात सितंबर को होंगे सैनी क्षेत्रिय सभा के चुनाव:*** बता दें कि सैनी क्षेत्रिय सभा के चुनाव के लिए सात सितंबर को मतदान होगा। चुनावी प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को शुक्रवार को नामांकन वापसी के बाद मैदान में बचे उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटन किए गए थे। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम करते हुए हथियारबंद कमांडो भी तैनात किए थे।

### सदस्यता सूची मानने से किया इनकार

*अनशन पर बैठे गगन सैनी ने कहा कि चुनाव की घोषणा नामांकन से 15 दिन पूर्व होनी चाहिए, जो नहीं की गई। इसके अलावा सभा ने 2175 लोगों को प्रस्ताव पारित कर सदस्यता दी, जिसकी हार्ड कॉपी व ऑनलाइन रजिस्ट्रार को 20 जून को दे दी थी, लेकिन सभा प्रशासक ने इस सूची को यह कहकर मानने से इंकार कर दिया, इनको सदस्यता कार्यकाल समाप्त होने के बाद दी गई है। उन्होंने कहा कि 14 जुलाई को सभा प्रशासक ने 2022 में हुए चुनाव वाली 588 सदस्यता सूची लगाकर आपत्तियां मांगी थी, लेकिन अब चुनाव के समय 664 सदस्यों की सूची लगाकर चुनाव की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि एकतरफ तो प्रशासक का कहना है कि 2175 लोगों को सदस्यता कार्यकाल समाप्त होने के बाद दी गई, इसलिए इनको चुनाव में शामिल नहीं किया जा सकता है, जबकि दूसरी तरफ उन्हीं में से 400 लोगों को 664 की चुनावी सूची में शामिल कर लिया। ऐसे में जो 1775 सदस्यों के साथ यह सरासर अन्याय है। उन्होंने कहा कि सभा प्रशासक ने फिलहाल जो 664 लोगों की सूची जारी की है, वह जिला रजिस्ट्रार में अनुमोदित नहीं है। ऐसे में प्रशासक को प्रधान बनाने की ऐसी क्या जल्दी थी कि चुनावी सूची पर जिला रजिस्ट्रार अनुमोदन नहीं लिया गया।*

### प्रधान के दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में

इस अवसर पर सैनी क्षेत्रिय सभा के छह सदस्यों को निर्विरोध चुना गया। सभी चुनावी प्रत्याक्षियों को चुनाव चिह्न भी दिए गए। प्रधान पद के लिए सुरेश कुमार, पवन सैनी मैदान में है, जबकि परमेश्वर ने नामांकन वापस ले लिया था। उपप्रधान के लिए विजय कुमार व महादेव, सचिव पद के लिए होशियार सिंह, मनीष तथा सहसचिव पद के लिए राहुल सैनी, रामनिवास सैनी ने नामांकन किया। इसके अलावा कोषाध्यक्ष के लिए सुनील कुमार, दुष्यंत मार मैदान में है। इसके अलावा छह कार्यकारी सदस्य पद के लिए संजय, राधेश्याम, लक्ष्मीनारायण, विनोद, कृष्ण व दिनेश को निर्विरोध चुन लिया गया है।

**खबर संक्षेप**

### कनीना बस स्टैंड को मिली सीमेंट की दस कुर्सियां

**नारनौल।** यात्रियों के बैठने की सुविधा के लिए कनीना बस स्टैंड को सीमेंट वाली कुर्सियां मिली हैं। रोडवेज के महाप्रबंधक देवदत्त ने बताया कि कनीना बस स्टैंड पर यात्रियों की बैठने की सुविधा नहीं थी, जिससे यात्रियों को परेशानी की सामना करना पड़ रहा था। यात्रियों की परेशानी का समाधान करते हुए 10 सीमेंट की कुर्सियों की व्यवस्था की गई है।

### भगवान श्रीगणेश की निकाली झांकी

**नारनौल।** गणेश उत्सव युवा मंडल दिल्ली वाली ढाणी नारनौल के तत्वाधान से द्वितीय गणेश उत्सव के दौरान सुंदर झांकी निकाली गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी सैनी रहे। भारती सैनी ने मंडल के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर राजेश, अंतरसिंह, शिवा, गुलाब, मोनू, टिंकू, दुली, चिंटू, हिमांशु, मोहित, लक्की व महेश आदि उपस्थित रहे।

### श्री गणपति कॉलेज का परीक्षा परिणाम सराहनीय

**नारनौल।** इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा हाल ही में घोषित बीएड द्वितीय वर्ष के परिणाम में श्री गणपति शैक्षिक एवं तकनीकी संस्थान फैजाबाद ने शत प्रतिशत सफलता हासिल कर क्षेत्र में नाम रोशन किया है। छात्रा प्रियंका ने 76 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम, नैन्सी ने 75 प्रतिशत अंक हासिल कर द्वितीय तथा मयंक और मंजु ने 74 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है।

### हुडा की टूटी सड़कों में भरा है बरसात का पानी

## छह माह भी नहीं चल पाई हुडा में सड़क की कारपेटिंग, 3.27 करोड़ किए थे खर्च

- दोपहिया वाहन चालकों को सड़कों के गड्ढों में गिरने एवं एक्सीडेंट का रहता है खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हुडा जैसी पॉश कॉलोनी में लगभग 20 साल बाद सड़कों पर करवाई गई कारपेटिंग 20 माह तो दूर छह महीने भी चल नहीं पाई हैं। यह कारपेटिंग पहली बरसात का सामना करते ही उखड़ गई हैं तथा सड़कों में जगह-जगह लंबे-चौड़े एवं गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें हिचकौले खाते वाहन रेंगते नजर आते हैं। इससे हुडा में आने-जाने एवं यहां रहने वाले नागरिकों को परेशानी हो रही है। पानी की निकासी के कोई इंतजाम नहीं होने से यहां की सड़कें बरसात में दरिया नजर आती हैं। जबकि कारपेटिंग पर लगभग 3.27 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

करोड़ों खर्च करने के बावजूद ऐसा रिजल्ट देखकर लोगों में भारी नाराजगी है। डीसी कोठी के पीछे शहर की पॉश कॉलोनी हुडा का सेक्टर एक बसाया हुआ है। इस सेक्टर की स्थापना वर्ष 1998 में की गई थी। जब यहां सेक्टर बसाया गया, तब ही यहां पर नई सड़कों का निर्माण भी किया गया था। इसके बाद एकबार और इन सड़कों की मरम्मत का कार्य हुआ, लेकिन लंबे समय से इसकी अनदेखी की जा रही थी, जिस कारण यहां की सड़कें जर्जर अवस्था में पहुंच गई थी और यहां की हुडा रेजिडेंट एसोसिएशन तथा पार्षद कपिल यादव ने बार-बार विभिन्न मंचों से इस मुद्दे को उठाया। इस पर उनके प्रयास रंग लाए तथा सरकार ने हुडा की सड़कों की मरम्मत यानि कारपेटिंग करना स्वीकार कर लिया।

***यह बोले लोग:*** हुडा रेजिडेंट वैलफेयर एसोसिएशन के प्रधान नरेश चौधरी, पार्षद कपिल यादव, पूर्व प्रधान डा. आरएन यादव, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी रामौतार डाडैया, प्राचार्य महीपाल डाडैया, रिटायर्ड एचएम धर्मपाल कटारिया आदि ने बताया कि हुडा की सड़कों की हालत बेहद खराब हो चुकी है।

***सर्वे भी हो चुका:*** हुडा रेजिडेंट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठन के बाद जब एकदम से यहां की समस्याओं को नगर परिषद एवं जिला प्रशासन के सम्मुख उठाया जाने लगा। इस पर प्रशासन ने हुडा में चार विभागों की संयुक्त टीम बनाकर सर्वे कराया। यह सर्वे अब पूरा हो चुका है तथा बरसात के बाद इस पर कार्य शुरू किया जाएगा। सर्वे टीम में हुडा, नगर परिषद, जनस्वास्थ्य विभाग एवं सिंचाई विभाग के अभियंता शामिल थे, जिन्होंने हुडा की गली-गली छानकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है, जिसके आधार पर जल निकासी एवं सीवर निकासी दोनों समस्याओं का निदान ढूंढा जाएगा।

***सीवर का काम शुरू किया:*** सर्वे रिपोर्ट के आधार पर पिछले दिनों निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जिसके चलते हुडा में राव पृथ्वीसिंह एडवोकेट के आवास के समीप सीवर की खुदाई भी की गई, लेकिन बरसात होने से वह कार्य ठप है, जबकि उक्त जगह पर सड़क एकतरफ से अवरुद्ध कर रखी है।

नारनौल। हुडा में भाई रामसिंह की कोठी के पास टूटी सड़क एवं भरा पानी व एडवोकेट राव पृथ्वीसिंह के आवास के समीप खोदा गया सीवर का गड्ढा।

### 3.27 करोड़ रुपये किए थे मंजूर

हुडा की जर्जर सड़कों की कारपेटिंग के लिए सरकार ने गत वर्ष लगभग 3.27 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। इस कार्य से हुडा के सभी मार्गों की दशा सुधारना तय किया गया, ताकि पूरे हुडा की सड़कें चकाचक हो सकें। हुडा सेक्टर का रखरखाव अब हुडा नहीं, अब नगर परिषद करती है, जिसके नगर परिषद ने यहां की कारपेटिंग का टेंडर छोड़ा तथा एक प्राइवेट कंपनी का यह टेंडर मिला, जिसने गत नवंबर एवं इस वर्ष फरवरी में कारपेटिंग का कार्य किया। हालांकि हुडा के लोग कारपेटिंग कार्य से खुश नहीं थे और तब भी घटिया सामग्री लगाने का मुद्दा अनेक बार उछला था। शिकायत पहुंचने पर प्रशासन ने भी कारपेटिंग के सैंपल भरे थे और आपत्ति जताई थी। मगर अब उस कारपेटिंग की महज छह माह के अंदर ही पहली बरसात में पोल खुल गई है। हुडा की अधिकांश सड़कों की हालत खराब हो चुकी है और सड़कों में गड्ढे बनने से लोग परेशान हैं।

### पानी की निकासी नहीं होना है समस्या

हुडा कहने को तो पॉश कॉलोनी है, लेकिन इसमें बरसात के पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। हुडा ने यहां प्लाट आवंटित कर दिए और लोगों ने बड़ी-बड़ी आलीशान कोठियां खड़ी कर दी, लेकिन अब तक न इसमें सही प्रकार से सीवर की व्यवस्था बन पाई है और न ही जल निकासी के कोई प्रबंध किए गए हैं। जिस कारण बरसात का पानी अब भी सड़कों पर खड़ा है और लोग उसी पानी में से आने-जाने को लाचार हैं। भाई रामसिंह की कोठी के पास तो इतना बुरा हाल है कि लोगों को यहां से निकलने में गड्ढों में गिरने का खतरा रहता है।

### यह बोली नप अधिकारी

हुडा देख रही नगर परिषद की कार्यकारी अभियंता मोनिका मार्गव ने बताया कि हुडा की समस्या से वह वाकिफ हैं, लेकिन फिलहाल बरसात का दौर चला हुआ है। इस कारण काम बंद है। जब बरसात रूक जाएगी, तब जल निकासी एवं सीवर की समस्या का समाधान किया जाएगा। बरसात में जो सड़कें टूटी हैं, उनकी मरम्मत करवाई जाएगी। मरम्मत के लिए टेंडर वाली कंपनी को बोल दिया गया है, जो बरसात थमने का इंतजार कर रही है। शीघ्र ही हुडा की सभी समस्याओं का निदान करने के लिए कार्य शुरू किया जाएगा। तब तक लोग धैर्य से काम लें।

## अज्ञात वाहन की चपेट से राजस्थान के युवक की मौत, एक घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

नारनौल-रेवाड़ी नेशनल हाईवे नंबर 11 पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में राजस्थान के झुंझुनूं जिले के मेहाड़ा निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान बिरजू राम के रूप में हुई है, जबकि घायल व्यक्ति गूगनराम है। शिकायतकर्ता गूगनराम ने बताया कि वे दोनों बाइक पर सवार होकर रेवाड़ी किसी काम से जा रहे थे। जैसे ही वे बजाड़ गांव के बस अड्डे के पास सर्विस रोड पर पहुंचे तो एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक अपना वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने एम्बुलेंस को सूचना दी और दोनों को अटेली के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने दोनों को रेफर कर दिया। परिजन उन्हें जयपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान बिरजू राम ने दम तोड़ दिया। अटेली पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं गूगन राम का उपचार जयपुर में जारी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**नारनौल-रेवाड़ी नेशनल हाईवे नंबर 11 पर हुआ दर्दनाक सड़क हादसा**

### हमीदपुर बांध में डूबने से युवक की मौत

***नारनौल।*** *हमीदपुर गांव में पशुओं को चराने गए व्यक्ति की बांध में डूबने से मौत हो गई। मृतक गत 28 अगस्त की सुबह पशुओं को लेकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। जानकारी के अनुसार करीब 34 वर्षीय बिरेंद्र सिंह गांव में ही रहता था और खेतीबाड़ी का काम करता था। वह गत 28 अगस्त की प्रातः लगभग 8 बजे घर के पशुओं को लेकर उन्हें चराने निकला था। दोपहर करीब 12 बजे पशु तो वापस घर लौट आए, लेकिन बिरेंद्र सिंह नहीं लौटा। इस पर परिवार के लोगों को चिंता हुई तथा उन्होंने पूछताछ शुरू की, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा। परिवारजनों ने बांध एवं आसपास भी उसकी तलाश की, लेकिन कहीं नहीं मिला। इसके पश्चात 29 अगस्त को सायं लगभग चार बजे हमीदपुर बांध के पानी में कुछ तैरता हुआ दिखाई दिया, जिसकी जांच की गई तो वह बिरेंद्र सिंह निकला। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसकी पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया, जहां शनिवार प्रातः शव का पोस्टमार्टम किया गया। मृतक अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है।*

**अभियान** पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव ने की अभियान में शिरकत

## 'हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान - 2025' युद्ध स्तर पर जारी, 25 नवंबर तक चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए 'हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025' के तहत महेंद्रगढ़ जिले में विशेष स्वच्छता महाअभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में शनिवार पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव ने स्वच्छता अभियान में शिरकत की। इसके बाद उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस पार्क तथा चोर गुंबद में जाकर भी लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। इसके अलावा उन्होंने पौधारोपण भी किया।

- नेताजी सुभाषचंद्र बोस पार्क तथा चोर गुंबद में जाकर लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश

विधायक ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शहरों को साफ-सुथरा बनाना और नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान 25 नवंबर तक चलेगा और इसमें विभिन्न पहलुओं पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए जनता की भागीदारी बहुत जरूरी है। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया जाएगा। साथ ही रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और गैर-सरकारी संगठनों के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नारनौल। सुभाष पार्क में सफाई अभियान में शिरकत करते विधायक ओम प्रकाश यादव। फोटो : हरिभूमि

### ये रहेंगी प्रमुख गतिविधियां

- ***डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण:*** जिले में शत-प्रतिशत घरों से कूड़ा इकट्ठा करने पर ज़ोर दिया जाएगा, ताकि सड़कों और खाली भूखंडों पर कचरा न फैले।
- ***प्लास्टिक मुक्त बाजार:*** बाजारों और मंडियों में प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। इसके लिए प्लास्टिक कचरा जमा करने के केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां प्लास्टिक के बदले कपड़े के थैले और पौधे दिए जाएंगे।
- ***सरकारी और निजी स्थलों की सफाई:*** सभी सरकारी और निजी कार्यालयों, पर्यटन स्थलों और धार्मिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता ड्राइव चलाई जाएगी।
- ***सार्वजनिक स्थानों का सौंदर्यीकरण:*** सड़कों, चौराहों और पार्कों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। पार्कों में कूड़ेदान लगाए जाएंगे और ओपन जिम की मरम्मत की जाएगी।
- ***बेसहारा पशुओं की रोकथाम:*** शहर को बेसहारा पशुओं से मुक्त करने के लिए उन्हें पकड़कर गौशालाओं और नंदीशालाओं में भेजा जाएगा।
- ***त्योहारों पर विशेष अभियान:*** नवरात्रि, दशहरा, और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान सामूहिक भागीदारी से सड़कों, बाजारों और पार्कों की सफाई की जाएगी।

## नारनौल विधानसभा क्षेत्र में 88.11 लाख की लागत से 3 सड़कों का होगा जीर्णोद्धार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए नायब सरकार ने तीन महत्वपूर्ण सड़क के सुधारीकरण की मंजूरी दी है। इस पर कुल लागत 88.11 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके लिए विधायक ओम प्रकाश यादव ने नायब सरकार का आभार व्यक्त किया है।

- सरकार केवल शहरों पर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही: विधायक

शनिवार प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से विधायक ने बताया कि ये परियोजनाएं न केवल क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी बल्कि किसानों, व्यापारियों और आम जनता के लिए आवागमन को भी सुगम बनाएंगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री का यह कदम हरियाणा को एक प्रगतिशील और विकसित राज्य बनाने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि सरकार केवल शहरों पर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। ये परियोजनाएं न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेंगी।

### इन सड़कों का होना है जीर्णोद्धार

- ***सेका से गुवाना तक सड़क (रोड आईडी 11398):*** इस सड़क का 1.36 किलोमीटर लंबा हिस्सा, जो राजस्थान सीमा तक जाता है, 20.62 लाख रुपये की लागत से सरफेस ट्रीटमेंट के साथ बेहतर बनाया जाएगा।
- ***फैजाबाद से सीमा कानीना तक सड़क (रोड आईडी 2614):*** इस सड़क के 0.19 किलोमीटर हिस्से का जीर्णोद्धार 13.64 लाख रुपये की लागत से होगा, जिसमें सी.सी.बी. (कंक्रीट सीमेंट ब्लॉक) का उपयोग किया जाएगा।
- ***भूषण खुर्द लिंक रोड (रोड आईडी 2623):*** यह 0.35 किलोमीटर लंबी सड़क 53.85 लाख रुपये की लागत से बेहतर बनाई जाएगी, जिसमें विस्तृत संकेत और आईपीबी (इंटर ब्लॉकिंग पेवर ब्लॉक) का कार्य शामिल है।

# चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

## क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

## कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

## आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

## कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

## मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

## सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

# लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

**लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन**

**एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला**

**20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में**

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

**5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड :** सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

### एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

### आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

### टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

### निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

### लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियों में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

### कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

# डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

**लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा**

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

**म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा**

इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

### क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

### पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

### एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

### गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

### पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

### तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

# पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

### स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

### इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

### बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

### आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

### केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

## एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

# एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

### टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

### यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

### आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

### कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

### एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

### एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

### आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

### एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

### एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

### मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

## खबर संक्षेप

### अभय चौटाला कल आएंगे नारनौल

**नारनौल।** इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से जननायक पूर्व उप्रधानमंत्री स्व: चौधरी देवीलाल की 112वी जयंती 25 सितंबर को रोहतक में मनाई जाएगी। इस जयंती को इनेलो सम्मान दिवस के रूप में मनाएगी। इसका निमंत्रण देने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला एक सितंबर को नारनौल आएंगे। इस संबंध में जिला प्रवक्ता नवनीत सिंह ढिल्लो ने बताया कि कार्यक्रम जैन मांगलिक भवन में सुबह 10 बजे होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान सुरेन्द्र कौशिक करेंगे।

### इनेलो प्रदेश सचिव ने किया गांवों का दौरा

**कनीना।** 25 सितंबर को रोहतक की नई अनाज मंडी में आयोजित होने वाली जनसभा को लेकर अटेली हल्का प्रभारी व प्रदेश सचिव आनंद सिंह श्योराण ने गांव धनौंदा, पडतल, कनीना, ढाणा, झिगावन में जनसंपर्क कर रोहतक पहुंचने का निमंत्रण दिया। समारोह को लेकर एक सितंबर को इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला नारनौल के जैन मांगलिक भवन में कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे और उनकी जिम्मेदारी तय करेगें। इस मौके पर सतपाल उन्हाणी, वेदप्रकाश, कुलदीप कादियान, अमर सिंह जांगडा आदि मौजूद थे।

## शेष सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग कल

# स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए पोर्टल फिर से खुला

- विद्यार्थियों को हार्ड कॉपी समय पर जमा करने के निर्देश
- वविद्यार्थी दस्तावेज सहित उपस्थित होकर ले सकते हैं दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़



महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय भवन। फोटो : हरिभूमि

स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल एक बार फिर से खोल दिया गया है। महाविद्यालय में शेष सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया एक सितम्बर को प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगी। जिसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे आवेदन पत्र की प्रति, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र व हाल ही का पासपोर्ट आकार का फोटो सहित सभी मूल दस्तावेज साथ लाएं।

महाविद्यालय के ऑनलाइन एडमिशन नोडल प्रभारी प्रो. विजय यादव ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एमए अंग्रेजी में 10 व एमएससी रसायन विज्ञान में चार सीटें अभी भी रिक्त हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो विद्यार्थी ऑनलाइन फीस जमा कर चुके हैं, उन्हें अपने प्रवेश फॉर्म की हार्ड कॉपी समय पर संबंधित समिति को जमा कराना अनिवार्य है। यदि कोई विद्यार्थी फीस जमा करने के बावजूद हार्ड कॉपी जमा नहीं करवाता है, तो उसका डेटा विश्वविद्यालय को नहीं भेजा जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्यार्थी की स्वयं की होगी।

### कक्षाएं नियमित रूप से शुरू

*राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ की जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा ने बताया कि कॉलेज में कक्षाएं नियमित रूप से आरंभ हो चुकी है। ऐसे में विद्यार्थी कॉलेज से गैहाजिर न रहे, अगर विद्यार्थी कक्षा से लगातार अनुपस्थित रहता है, तो उसका नाम काट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दाखिले से वंचित विद्यार्थी 12 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।*

### विद्यार्थी 12 तक करें फीस जमा

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त यूजी द्वितीय व तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को निर्देश दिए गए हैं, कि जिन्होंने अब तक फीस जमा नहीं करवाई है, वे 12 सितंबर तक फीस जमा करवा सकते हैं। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों को प्रवेश फॉर्म संबंधित समिति को जमा कराकर नियमित कक्षाओं में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

# बीआर ज्ञानदीप स्कूल में ओलिंपियाड आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़




महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में हमिंग बर्ड एजुकेशन की ओर से हमिंग बर्ड ओलिंपियाड का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का उद्देश्य बच्चों में बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को विकसित करना है।

परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यालय में हर्ष का माहौल देखा गया। कुल पांच प्रतिभाशाली बच्चों ने गोल्ड मेडल, 15 बच्चों ने सिल्वर मेडल और 20 बच्चों ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर विद्यालय व अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया। विद्यालय प्रांगण में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता छात्रों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रामवीर यादव ने बच्चों की सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालय संस्थापक रामसिंह यादव व चेयरमैन रूपराम यादव ने बच्चों को निरंतर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने अपनी सफलता को माता पिता और अध्यापकों को समर्पित किया।

# गैलेक्सी स्कूल बवानिया की देवना ने लहराया परचम

**महेंद्रगढ़।** खंड अटेली में 28 अगस्त को आयोजित लड़कियों की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में गैलेक्सी स्कूल के विद्यार्थियों में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन जारी रखा। इस प्रतियोगिता में ब्लॉक लेवल पर पोजिशन वाले सभी बच्चों ने भाग लिया। प्राचार्य करन सिंह ने बताया कि स्कूल की छात्रा देवना पुत्री पृथ्वी सिंह निवासी झिगावन ने एथलेटिक्स ट्रिपल जंप में प्रथम, लॉन्ग जंप, 100 मीटर दौड़ व 100 मीटर बाधा दौड़ में दूसरा स्थान हासिल किया। स्कूल पहुंचने पर चैयरमैन दरियाव सिंह, चेयरपर्सन एकता यादव, प्राचार्य करन सिंह, कोच भारत शर्मा व पूरे स्टाफ ने फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। मेडल, सर्टिफिकेट, स्पोर्ट्स किट, डायरी, मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कोच भारत शर्मा को भी मोमेंटो, स्पोर्ट्स किट व डायरी देकर सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। छात्रा देवना को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

# यदुवंशी स्कूल में भाषण और कविता प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़



महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में शनिवार को इंटर स्कूल स्तर पर अंग्रेजी व हिंदी भाषण तथा कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में हिंदी कविता, अंग्रेजी कविता, हिन्दी भाषण व अंग्रेजी भाषण चारों श्रेणियों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। हिन्दी कविता प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी से खनक प्रथम, कक्षा तीसरी से विराजा प्रथम, कक्षा चौथी से मीताक्षी प्रथम, कक्षा पांचवीं से इशानी प्रथम, हर्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी में कीरत सतनाली प्रथम, कक्षा तीसरी से वान्या प्रथम, कक्षा चौथी से सरूली प्रथम, कक्षा पांचवीं से दीया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा छठी से आठवीं में कविता पाठ में वंश कौशिक व आराध्या प्रथम, कक्षा नौवीं से 12वीं में प्रतिज्ञा प्रथम, भाषण प्रतियोगिता में रीचा, कनीना व कोमल सतनाली ने प्रथम, कक्षा नौवीं से 12वीं भाषण प्रतियोगिता में नैंसी व जान्वी सतनाली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता प्रतियोगिता में कक्षा छठी से आठवीं में दीया प्रथम, नौंवी से 12वीं में तनिष्का ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा छह से आठवीं में काव्या व हर्षिता कनीना प्रथम, कक्षा नौवीं से 12 में दीपिका महेन्द्रगढ़ व सेजल सतनाली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्राचार्य पवन कुमार ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदुवंशी परिवार सदैव प्रयासरत रहता है।

### 5 को नारनौल आएंगे जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

**नारनौल।** जननायक जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने की। बैठक में मुख्यातिथि जिला प्रभारी राकेश जाखड़ थे। राकेश जाखड़ ने बताया कि आने वाली पांच सितंबर को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष ब्रज शर्मा नारनौल में कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे। प्रभारी ने बताया कि पार्टी के संगठन को ओर अधिक मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश देंगे और कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श करके संगठन में ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को जगह दी जाएगी। पार्टी के आगामी नीतियों के बारे में कार्यकर्ताओं को बताया जाएगा और भारतीय जनता पार्टी सरकार की विफलताओं पर भी चर्चा की जाएगी। कांग्रेस पार्टी की भी पोल खोली जाएगी। कैसे भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर हुडा परिवार काम कर रहा है। जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने प्रभारी को विश्वास दिलाया कि महेंद्रगढ़ के चारों विधानसभा से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए चारों हल्का प्रधानों व सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दे दी गई है।

# नवनियुक्त विद्यार्थी परिषद ने अनुशासन और कर्तव्य परायणता की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल




नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी एवं शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

शहर के नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में शनिवार को विद्यालय की नई विद्यार्थी परिषद के शपथ ग्रहण समारोह इंवेस्टीचर सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के चारों सदन के चुने गए कैप्टन, वाइस कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन व कलचरल कैप्टन आदि को शपथ दिलाई गई।

विद्यालय की बटालियन ने कार्यक्रम के मुख्यातिथि नारनौल एनसीसी बटालियन से सूबेदार अर्जुन सिंह, हवलदार सुरेन्द्र सिंह व हवलदार अन्नु राणा का मार्च पास्ट के साथ स्वागत किया। विद्यार्थियों ने गणेश वंदना के साथ समारोह का शुभारंभ किया। इसके उपरांत मुख्यातिथियों ने विद्यालय एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा, निदेशक पुष्करमल वर्मा के साथ नवचयनित विद्यार्थी परिषद के लिए जल सदन से अक्षत शुक्ला को वरिष्ठ हाउस कैप्टन, यक्षिता वर्मा वरिष्ठ वाइस कैप्टन, अक्षत जूनियर हाउस कैप्टन, रूचिका जूनियर वाइस कैप्टन, पीयूष स्पाट्र्स कैप्टन व लावण्या को सांस्कृतिक कैप्टन के पटके पहनाकर सम्मानित किया गया। अग्नि सदन से निकिता को वरिष्ठ हाउस कैप्टन, सिमरन वरिष्ठ वाइस कैप्टन, केशव जूनियर हाउस कैप्टन, आरजू जूनियर वाइस कैप्टन, मोनिका स्पाट्र्स कैप्टन व लक्षिता को सांस्कृतिक कैप्टन के पटके पहनाकर सम्मानित किया गया। पृथ्वी सदन से प्रिंस को वरिष्ठ हाउस कैप्टन, भावना वरिष्ठ वाइस कैप्टन, मानसी जूनियर हाउस कैप्टन, तनुज जूनियर वाइस कैप्टन, यश स्पाट्र्स कैप्टन व प्रीतिका को सांस्कृतिक कैप्टन के पटके पहनाकर सम्मानित किया।

### इनको सौंपी जिम्मेदारियां

वायु सदन से हितांशी वर्मा को वरिष्ठ हाउस कैप्टन, सोनु वरिष्ठ वाइस कैप्टन, प्रांजय जूनियर हाउस कैप्टन, कनिका जूनियर वाइस कैप्टन, हर्षिता स्पाट्र्स कैप्टन व दीपांशु को सांस्कृतिक कैप्टन के पटके पहनाकर उनकी जिम्मेदारियां सौंपी गई। इसके उपरांत विद्यालय डीन मनोज भारद्वाज ने विद्यार्थी परिषद को उनके कार्य व कर्तव्य परायणता की शपथ दिलाई। विद्यालय एमडी निधि वर्मा ने कहा कि विद्यालय से विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा चुनकर आए विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का संचार होता है और आगे चलकर अपने समाज व देश के लिए कुछ कर गुजरने की भावना पैदा होती है। विद्यालय प्राचार्य सुनील कुमार ने सभी अतिथियों व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

# श्रीकृष्ण स्कूल में प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल




नारनौल। विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

साईंस क्वीज प्रतियोगिता में महेन्द्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व कर रही श्रीकृष्ण सीनियर सैकेण्डरी स्कूल भुंगारका की छात्रा मुस्कान पुत्री कृष्ण कुमार का हरियाणा में पांचवा स्थान हासिल किया है। वहीं एसजीएफआई जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में निधि पुत्री राजवीर ने वॉक रेस में प्रथम स्थान, शिवानी पुत्री संदीप ने हाई जम्प में प्रथम एवं खुशबू पुत्री राजवीर ने शॉटपुट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन सभी विजेता प्रतिभागियों को स्कूल ने प्रशस्ति पत्र व नगर पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिला महेन्द्रगढ़ में ब्लॉक स्तर व जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद कुरूक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय साईंस क्वीज प्रतियोगिता में श्रीकृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूलभुंगारका की छात्रा मुस्कान पुत्री कृष्ण कुमार ने महेंद्रगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए हरियाणा में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल मुस्कान की प्रतिभा का प्रमाण है, बल्कि स्कूल और जिले के लिए भी गर्व की बात है। बता दे की इस प्रतियोगिता में हरियाणा के 22 जिलो के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। जिसमें छात्रा मुस्कान का पाँचवा रैंक रहा। एसजीएफआई जिला स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता में निधि पुत्री राजवीर ने वॉक रेस में प्रथम स्थान, शिवानी पुत्री संदीप ने हाई जम्प में प्रथम एवं खुशबू पुत्री राजवीर ने शॉटपुट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने इन्हें बधाई दी।

### 23 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को नायब सरकार देगी 2100 रुपये : भारती सैनी

**नारनौल।** हरियाणा में भाजपा ने चुनाव में जनता से वायदा किया था, अगर सत्ता में आते हैं तो महिलाओं को 2100 रुपये हर माह देंगे। सत्ता में आने के बाद पूरी रुपरेखा तैयार करने के बाद नायब सरकार ने एक ओर चुनावी वायदे को पूरा कर दिखाया है। अब हरियाणा में 23 साल से अधिक उम्र की लड़की/महिलाओं को नायब सरकार हर माह यह राशि उनके अकाउंट में भेजने का काम करेगी। इसका नाम दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना रखा गया है। यह बात भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती सैनी ने शनिवार प्रेस विज्ञप्ति में कहीं। हरियाणा की लाखों महिलाओं के इस सवाल का जवाब 28 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऐलान करते हुए बता दिया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के मौके पर अगले माह 25 सितंबर 2025 को यह योजना लॉन्च होगी। भारती सैनी ने बताया कि 25 सितंबर 2025 से राज्य की सभी 23 साल से ज्यादा उम्र की लड़कियों व महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा महिलाएं चाहें शादीशुदा हों या फिर अविवाहित, सभी के खाते में 2100-2100 रुपये भेजे जाएंगे। पहले चरण में उन महिलाओं को शामिल किया जाएगा, जिनके परिवार की सालाना कमाई 1 लाख रुपये से कम है। आगे चलकर अन्य आय वर्ग वाले परिवारों को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। योजना का फायदा लेने के लिए पात्रता की कुछ शर्तें हैं। अगर महिला अविवाहित है और अगर विवाहित है तो वह कम से कम 15 साल से हरियाणा की नागरिक होनी चाहिए।

# हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल के छात्रों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम

**मंडी अटेली।** हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर के छात्रों हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने स्कूल एवं क्षेत्र का नाम किया। नारनौल में आयोजित स्विमिंग प्रतियोगिता में छात्र मुकुंद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में हितेश एवं मुकुंद ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है, स्कूल की छात्रा श्रद्धा ने गांव तिगरा में हुई प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अब राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता अपना नाम दर्ज कराया है। इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य अनूप कुमार ने सभी विजेता छात्रों को स्कूल में प्रोत्साहित किया। स्कूल चैयरमैन एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर यादव ने बच्चों की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि इन बच्चों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से यह सफलता प्राप्त की है। मुझे विश्वास है कि आगामी स्टेट लेवल प्रतियोगिता में भी छात्र स्कूल का नाम रोशन करेंगे। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भाग लेना भी बच्चे के लिए बहुत आवश्यक होता है। इससे हमारा शारीरिक एवं मानसिक विकास तो होता ही है साथ ही बच्चों में सहयोग की भावना एवं जीवन में आगे बढ़ने की लालसा का भी विकास होता है। जिसकी सामाजिक जीवन में अहम भूमिका होती है। उन्होंने यह भी कहा कि सफलता एक दिन में प्राप्त नहीं होती बल्कि यह बच्चों द्वारा कड़ी मेहनत और लगन से निरंतर किए गए अभ्यास का फल है, इसलिए सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी निरंतर अभ्यास करना चाहिए और खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

अटेली। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में विजेता को सम्मानित करते हुए।

## भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती सैनी कलश यात्रा में होगी मुख्य यजमान

22वें दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी

# कलश यात्रा में शामिल होंगी 3100 महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल



नारनौल। भारती सैनी व नप उपप्रधान संजीव यादव से मिलते क्लब सदस्य। फोटो : हरिभूमि

टाइगर क्लब परिवार की ओर से 22वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर है। इस महोत्सव में 22 सितम्बर को क्षेत्र की सबसे बड़ी 3100 महिलाओं द्वारा सुसज्जित विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसमें मुख्य यजमान के तौर पर भाजपा महिला जिला अध्यक्ष एवं नगर परिषद की पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी पति संजय सैनी संग मौजूद रहेगी।

इस संबंध में टाइगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव ने बताया कि दुर्गा पूजा से पहले कलश यात्रा का मुख्य महत्व देवी-देवताओं का आह्वान करना, ईश्वरीय कृपा प्राप्त करना, कथा स्थल या पूजा स्थल पर दिव्य ऊर्जा संचारित करना और जीवन में सुख-समृद्धि और शांति लाना है। यह यात्रा मां दुर्गा की पूजा का शुभारंभ होती है और इसे महिलाओं की शक्ति और महत्व का भी प्रतीक माना जाता है। कलश को तीर्थ का प्रतीक और सभी देवी-देवताओं का निवास स्थान भी माना जाता है, इसलिए इसकी स्थापना से जातक को शुभ परिणाम मिलते हैं।

इस दौरान नगर परिषद पूर्व चेयरपर्सन भारती सैनी ने कहा कि टाइगर क्लब परिवार द्वारा आयोजित 22वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव में 22 सितंबर को लगभग 3100 महिलाओं द्वारा विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। माता रानी की इस ऐतिहासिक भव्य कलशयात्रा का उनके परिवार को मुख्य यजमान बनने का अवसर मिला है।

इसके लिए टाइगर क्लब परिवार का आभार व्यक्त करती है। आगे उन्होंने बताया कि कलश यात्रा में तीनों देव ब्रह्मा, विष्णु व महेश के साथ-साथ 33 कोटी देवी देवता स्वयं कलश में विराजमान होते हैं। देवी पूजा में प्रयोग लाया जाने वाला कलश समुद्र मंथन में निकले अमृतसर के ही समान होता है इसलिए माताओं-बहनों को कलश यात्रा में शामिल होकर अवश्य कलश उठाना चाहिए। नगर परिषद के उपप्रधान संजीव यादव को माता का पटका पहना कर सम्मानित किया। इस मौके पर टाइगर क्लब के प्रधान राकेश यादव, सचिव नरेंद्र बंसी, उप प्रधान राजेश सैनी, संरक्षक संजय सैनी, कार्यक्रम सह संयोजक प्रवीण यादव, सुनील शर्मा, विश्वास एडवोकेट, नवीन वशिष्ठ आदि सदस्य उपस्थित रहे।

### निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

**महेंद्रगढ़।** निम्भेहड़ा गांव में शनिवार को पंच तत्व ट्रस्ट दिल्ली व डॉ. श्राप आई चैरिटेबल अस्पताल के सयुंक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का ग्रामवासियों ने पगड़ी व फूल मालाओं से स्वागत किया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि नेत्र शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। इसलिए हमें इनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और समय समय पर इनकी जांच करवाते रहना चाहिए। विधायक ने शिविर में मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और कहा कि सरकार आमजन की स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि समय समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन होता रहे, जिससे ग्रामीण लोग स्वास्थ्य लाभ उठा सकें। सुरेंद्र फौजी ने बताया कि शिविर में 200 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जिसमे 90 मरीजों को निःशुल्क चश्मा दी गई। इस मौके पर मास्टर शिवलाल, सूबेदार सुरेंद्र सिंह, मेघराज राजपूत, भीमसिंह शर्मा, ओमप्रकाश यादव, मंजीत खुड़ाना आदि उपस्थित रहे।

# हैप्पी स्कूल के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

**महेंद्रगढ़।** अटेली स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने कुल आठ गोल्ड मेडल व सात सिल्वर मेडल जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। अंडर 17 कैटेगरी में भूमिका यादव ने जैवलिन थ्रो व डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल झटके। वहीं मनीषा ने अपनी रफ्तार से सबको चौंकाते हुए 200 मीटर दौड़ में सिल्वर व 400 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर चयन पक्का किया।रिले रेस में भी हैप्पी स्कूल की बेटियों का जलवा देखने को मिला। भूमिका, मनीषा, दीया, महक व आयुषी की टीम ने 4×400 मीटर रिले रेस में गोल्ड मेडल जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाई। वहीं 4×100 मीटर रिले रेस में भूमिका, मनीषा, वंशिका, महक और हर्षिमा ने मिलकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अंडर 19 कैटेगरी में भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। अंशु ने जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल, जबकि दीरया ने डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय परिवार में इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी की लहर है। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल, संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए प्रोत्साहित भी किया। खिलाड़ियों की इस कामयाबी में विद्यालय के कोच नरेश तंवर व प्रिंस कुमार का अहम योगदान रहा।

## खबर संक्षेप

### राज्यपाल से पूर्व शिक्षामंत्री ने की मुलाकात

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने शनिवार को राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से चंडीगढ़ स्थित राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रो. रामबिलास शर्मा ने राज्यपाल को प्रदेश में संगठन की ओर से चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल हरियाणा, हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स के मुख्य संरक्षक हैं, जबकि प्रो. रामबिलास शर्मा संगठन के राज्य अध्यक्ष हैं।

### गुढ़ा को लिंक करने वाली टूटी सड़क में जलभराव

**कनीना।** स्टेट हाईवे-24 से गुढ़ा गांव को लिक करने वाला संपर्क मार्ग जगह-जगह से टूटा होने तथा बारिश का पानी जमा होने से राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गुढा बस स्टैंड से लेकर रेलवे क्रासिंग फाटक तक हालात बद से बदतर हो गए है। दादा छाजुवीर आश्रम के गेट के सामने हालात बेहद खराब होने से श्रद्धालुओं को भी परेशानी उठानी पड़ रहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से बीते अप्रैल माह में प्रदेश के सभी क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग मानसून से पूर्व 15 जून 2025 तक दुरुस्त किए जाने की घोषणा की थी, लेकिन जिला प्रशासन की लापरवाही के चलते लंबे समय से जर्जर हो चुकी है।

### ऑपरेशन सिंदूर पर प्रदर्शनी कार्यक्रम आज

**नारनौल।** शहर के नलापुर रोड स्थित श्री सिद्धी विनायक सेवा मंडल की ओर से श्री गणेश महोत्सव के तीसरे दिन दीपक शास्त्री ने मुख्य यजमान विपिन जैन से सपरिवार गणेशजी का पूजन व आरती करवाई। संस्था के वरिष्ठ सदस्य गोपाल शर्मा व संदीप चौधरी ने बताया कि गणेश महोत्सव का तीसरे दिन श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सरदार तरणदीप सिंह द्वारा तैयार ऑपरेशन सिंदूर की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई जाएगी। जिसमें आजादी की 79वां साल होने पर एक विशेष थीम व ऑपरेशन सिंदूर पर भी विशेष प्रदर्शन के साथ रविओम त्रिशूली एण्ड पार्टी दिल्ली द्वारा झांकियों का स्टेज शो कार्यक्रम रात्रि में नौ बजे से शुरू होगा।

# पहली बैठक में कांग्रेस दिखी एकजुट, जल्द होगी कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला कांग्रेस का जिला प्रधान चुने जाने के बाद सत्यवीर यादव की अध्यक्षता में पहली बार जिला स्तरीय बैठक का आयोजन सिटी मैरिज पैलेस में शनिवार को किया गया। कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने इसमें हिस्सा लिया। बैठक में संगठन को मजबूत करने पर विशेष चर्चा हुई। जिला और ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी गठन करने के साथ-साथ जिला कार्यालय खोलने और उसके संचालन को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

जिला प्रधान सत्यवीर झूकिया ने कहा कि कांग्रेस अब नए जोश और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। संकल्प है कि जिले में एक मजबूत जिला कार्यालय स्थापित किया जाए, ताकि हर कार्यकर्ता को संगठन से जोड़कर रखा जा सके। जिला व ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणी में सभी वर्गों, 36 बिरादरी, विशेषकर युवाओं और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कांग्रेस तभी मजबूत होगी जब हर कार्यकर्ता को सम्मान और जिम्मेदारी दी जाएगी।

जिला कार्यकारिणी में उपप्रधान, महासचिव, सहसचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष व अन्य पदों की नियुक्तियों पर मंथन हुआ। ब्लॉक स्तर और मंडल पर भी कार्यकारिणी गठित की जाएगी। बैठक में महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ राजवती उर्फ राजसुनेश यादव, युवा कांग्रेस जिला प्रधान पुनीत बुलान, संदीप राव, सुरेंद्र नंबरदार, ओबीसी के प्रधान विक्रम अवाना, तेजपाल प्रजापति, इंटक के प्रधान विपिन, मंजीत मांदी, रिटायर्ड जज राकेश यादव, माया देवी, सुनीता गुर्जर, बबीता यादव, पूजा वर्मा, अनिल फण्डन, जसवंत भाटी, सरजीत नंबरदार, चंद्रप्रकाश एडवोकेट, प्रदीप यादव, कुलदीप भरगड़, महेंद्र राता, संजय पटीकरा, मनोज पटीकरा, कैलाश सोनी, सोनू कौशिक, शुभम कौशिक, राजू जाट, महिला कांग्रेस की ब्लॉक कार्यकारी सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## बैठक में संगठन को मजबूत करने पर हुई विशेष चर्चा

**खास बातें**

- जिला प्रधान सत्यवीर झूकिया की अगुवाई में पहली बैठक आयोजित
- कांग्रेस अब नए जोश और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही : झूकिया

**विधायक मंजू चौधरी बोली...**

बैठक में कांग्रेस की विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि संगठनात्मक चुनावों के बाद कांग्रेस लगातार मजबूत हो रही है और आज पूरी कांग्रेस एकजुट है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि /"भाजपा ने वोट चोरी करके विधायक बनाए हैं। अगर वोट चोरी नहीं होती तो यहां पर बैठे कांग्रेस के नेता ही विधायक होते।

नारनौल। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते जिला अध्यक्ष सत्यवीर झुकिया। फोटो : हरिभूमि

**पूर्व सीपीएस दानसिंह बोले...**

पूर्व सीपीएस राव दान सिंह ने संगठन निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसका कार्यकर्ता है। जब तक जिला और ब्लॉक स्तर पर मजबूत कार्यकारिणी नहीं बनेगी, तब तक संगठन की जड़ें गहरी नहीं होंगी। इसीलिए आज की बैठक में यह तय किया गया है कि हर स्तर पर सक्रिय और मेहनती कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि कांग्रेस का ढांचा गांव-गांव तक मजबूत हो सके।

### पूर्व मंत्री राव नरेंद्र बोले...

पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हम सभी महेंद्रगढ़ में कांग्रेस पार्टी के संगठन विस्तार और पार्टी मजबूत करने का काम मिलकर करेंगे। कार्यकर्ता से लेकर वरिष्ठ नेता तक, सबका लक्ष्य केवल जनता की भलाई और भाजपा सरकार की नाकामियों को उजागर करना है। आने वाले चुनावों में महेंद्रगढ़ जिला ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी।

## फसल पंजीकरण में कनीना ब्लॉक के किसान सर्वाधिक जागरूक

# पोर्टल पर पंजीकृत जमीन की रिपोर्ट से यूरिया वितरण करने का प्रपोजल बना रहा विभाग

पंजीकरण रिपोर्ट के आधार पर प्रति एकड़ पर निर्धारित बैग किसानों को बेचा जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निजामपुर

निजामपुर। सीएससी पर फसलों का पंजीकरण कराते किसान। फोटो : हरिभूमि

किसानों की विभिन्न फसलों को समर्थन मुल्यों पर खरीदने के लिए सरकार ने मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल लांच किया है। बीते चार–पांच सालों से पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की फसल खरीद हो रही है लेकिन अब सरकार ने पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को ही डीएपी-यूरिया खाद वितरित करने का प्रपोजल तैयार किया है। पंजीकरण रिपोर्ट के आधार पर प्रति एकड़ पर निर्धारित बैग किसानों को बेचा जाएगा। ऐसे में नांगल चौधरी ब्लॉक के लगभग 40 फीसदी किसानों को खाद से वंचित रहना पड़ सकता है।

आपको बता दें कि प्रदेश में बीते सात-आठ सालों ने यूरिया व डीएपी खाद की किल्लत बनी रहती है। सीजन में किसानों को खाद के लिए इधर-उधर भागदौड़ करनी पड़ती है, बावजूद उपलब्ध नहीं होने पर कालाबाजारी जैसी समस्याएं बढ़ गई। शिकायत मिलने पर सरकार ने डीएपी और यूरिया खाद की धांधली पर अंकुश लगाने की योजना बनाई है। योजना के मुताबिक मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल से किसानों के आधार कार्ड लिंक किए जा रहे हैं।

दुकानदार की पीओएस मशीन पर आधार नंबर की एंट्री करते ही पोर्टल पर पंजीकृत जमीन का रिकार्ड ओपन हो जाएगा। इसी रिकार्ड के अनुसार किसान को यूरिया व डीएपी के बैग बिक्री करने की अनुमति रहेगी। सरकार का तर्क है कि खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल लांच किया गया था। पोर्टल पर रबी और खरीफ सीजन की सभी फसलें अपलोड करने के ऑप्शन निर्धारित किए गए हैं, किसानों को विभिन्न फसल के कॉलम पर टिक करके बीजाई किया गया रकबा पंजीकृत करना होता है।

पंजीकृत रकबे पर मार्केटिंग बोर्ड टोकन रिलीज करके फसल बिक्री करने की अनुमति देता है। इस प्रक्रिया से मंडियों में सुगमता पूर्वक खरीद व उठान करना करना संभव हुआ है। अब विभाग ने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल को अपडेट करना आरंभ कर दिया। विशेषज्ञों के अनुसार पोर्टल पर सभी किसानों का आधार कार्ड अपलोड है, दुकानदार द्वारा पीओएस मशीन में आधार नंबर डालते ही जमीन का रिकार्ड तथा खाद के निर्धारित कट्टों का डाटा उपलब्ध हो जाएगा।

इसी रिपोर्ट और रिकार्ड के आधार पर किसानों को डीएपी व यूरिया खाद बेचने की स्वीकृति रहेगी। सरकार का तर्क है कि इस तकनीक से कालाबाजी पर अंकुश लगेगा तथा रसायनिक खाद के अंधाधुंध इस्तेमाल पर अंकुश भी लग जाएगा।

**जागरूकता का अभाव**

धोलेड़ा, भुंगारका, दत्ताल, नांगल कालिया, मेघोत हाला, कांवी, सिरोही बहाली के किसानों ने कम पंजीकरण होने के संदर्भ में जागरूकता का आभाव और फसलों की एमएसपी को भी कम बताया है। उन्होंने तर्क दिया कि बीते 2/3 साल से खुले बाजार और सरकारी खरीद के भावों में कोई विशेष अंतर नहीं रहता है। जिस कारण लोग मंडी में टोकन प्रक्रिया व तुलाई की समस्या भी नहीं झेलना चाहते और ग्रामीण सौदागरों को जींस बेच देते हैं। इसके अलावा विभागीय स्तर पर जागरूकता के प्रयास भी पूरी सघनता से नहीं होते।

**नांगल चौधरी किसड़ी**

| ब्लॉक (प्रतिशत) | कृषि योग्य रकबा(एकड़ में) | पंजीकृत रकबा |
|---|---|---|
| कनीना | 69545 | 83.51 |
| अटेली | 46871 | 78.00 |
| महेंद्रगढ़ | 90551 | 75.60 |
| सतनाली | 40530 | 70.51 |
| नारनौल | 77272 | 69.67 |
| नांगल चौधरी | 57519 | 68.93 |

**फर्जी पंजीकरणों पर लग गया अंकुश**

कृषि विभाग के बीएओ डॉ हरीश यादव ने बताया कि फसल पंजीकरण के लिए प्रत्येक गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया था। किंतु गांव वाइज कई जमीन मालिक बाहर रहते हैं, उनकी जमीन पंजीकृत नहीं हो पाती। इसके अलावा पीपीपी की अनिवार्यता से फर्जीवाड़े पर अंकुश लगने से भी शत प्रतिशत टारगेट अचीव नहीं हो पाया है। अबकी बार पंजीकृत रकबे में ज्यादा गिरावट आई है जो चिंता का विषय है।

**जल्द होगा लागू**

विभाग के कृषि अधिकारी डॉ हरीश यादव ने बताया कि मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल की पंजीकरण रिपोर्ट से कुछ जिलों में खाद बिक्री शुरू हो गया है। महेंद्रगढ़ जिले में भी जल्द ही पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को खाद बेचने के आदेश हो सकते हैं। इसलिए किसानों को डीएपी व यूरिया उपलब्धता की समस्या से बचने के लिए पोर्टल पर विभिन्न फसलों का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। उन्होंने बताया कि पोर्टल की रिपोर्ट लागू होने पर खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लग जाएगा।

## एडवोकेट मनीष वशिष्ठ लगातार तीसरी बार बने अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष

नारनौल। कार्यकारिणी गठन के बाद का सामुहिक चित्र। फोटो :हरिभूमि

- बैठक में सर्वसम्मति से हुआ चुनाव, प्रान्त अध्यक्ष चन्द्रपाल चौहान ने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ता परिषद की बैठक में अधिवक्ता परिषद की जिला इकाई का गठन किया गया। जिसमें मनीष वशिष्ठ एडवोकेट को सर्वसम्मति से अधिवक्त परिषद के जिला प्रधान निर्वाचित हुए। बैठक में प्रांत अध्यक्ष चन्द्रपाल चौहान एडवोकेट, विभाग अध्यक्ष गणेश बंसल व न्यायप्रवाह प्रमुख भिवानी जनक कुमार उपस्थित रहे।

प्रधान पद के अतिरिक्त अन्य पदों की नियुक्ति की घोषणा भी सर्वसम्मति से की गई। उन्हें सर्वसम्मति से तीसरी बार जिला अध्यक्ष का दायित्व दिया गया। वह आठ अगस्त 2021 को पहली बार अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष चुने गए थे। अन्य दायित्वों में भवानी शंकर भारद्वाज एडवोकेट व श्याम सुन्दर गौस्वामी एडवोकेट को संरक्षक बनाया गया है।

महेश दीक्षित एडवोकेट को महासचिव का दायित्व दूसरी बार सौंपा गया है। भास्कर सैनी एडवोकेट को कौषाध्यक्ष, विजय यादव एडवोकेट (चाँद), मुकेश निर्मल एडवोकेट व अमित चौधरी को उपाध्यक्ष, कैलाश चन्द सैनी अध्ययन केन्द्र प्रमुख, गिरीबाला यादव महिला प्रमुख, दिवाकर शर्मा को न्याय प्रवाह पत्रिका प्रमुख, मुकेश रावल, श्रीमती रमेश यादव व हर्षद शर्मा को आयाम सचिव का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त युवा प्रमुख व कार्यकारिणी सदस्यों व अन्य पदों की नियुक्ति का दायित्व जिला अध्यक्ष को दिया गया। प्रान्त अध्यक्ष चन्द्रपाल चौहान ने चुने हुए सभी जिला पदाधिकारियों को बधाई दी।

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर एडवोकेट भवानी शंकर भारद्वाज, श्याम सुन्दर गौस्वामी, बनवारी लाल शर्मा, रविदत्त शर्मा, महेश दीक्षित, गिरीबाला यादव, कृष्ण कुमार शर्मा ममता यादव कनीना, पवन यादव कनीना, कैलाश चन्द सैनी, भाष्कर सैनी, दिवाकर शर्मा, मांगेराम सैनी, मुकेश रावल, टेकचन्द तंवर, अमित चौधरी, जितेन्द्र गुर्जर, हर्षद शर्मा, देवेन्द्र कुमार यादव बेवल, विजय यादव, हितेश यादव, भास्कर सैनी, आशीष चौधरी, अश्वनी, रविकांत शर्मा, अनिल बवानिया, पंकज भारद्वाज, हेमन्त भारद्वाज, निर्मल सिंह, विकाश शर्मा, अनिल भारद्वाज, दिवाकर शर्मा, प्रदीप यादव, पवनदीप यादव, योगेश यादव, कुलदीप चन्देला, हर्षद शर्मा, कैलाश चन्द सैनी सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

## खेल युक्त, नशा मुक्त हरियाणा थीम पर साइक्लोथोन आज, आरती राव दिखाएंगी हरी झंडी

- विधायक ओमप्रकाश यादव तथा विधायक कंवर सिंह यादव होंगे विशिष्ट अतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। साइक्लोथोन यात्रा के संबंध में अधिकारियों की बैठक लेते सीटीएम डॉ. मंगलसेन।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के उपलक्ष में मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन समारोह पर जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ 31 अगस्त को साइक्लोथोन रैली का आयोजन करेगा। इस साइक्लोथोन रैली को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव सुबह 10 बजे लघु सचिवालय प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव तथा महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। इसी कार्यक्रम के संबंध में शनिवार नगराधीश डॉ. मंगलसेन ने लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली तथा जिम्मेदारी तय की गई। नगराधीश ने बताया कि 29 से 31 अगस्त तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में समापन समारोह पर 'खेल युक्त, नशा मुक्त हरियाणा' थीम पर साइक्लोथोन का आयोजन किया जा रहा है। यह साइक्लोथोन यात्रा सुबह 10 बजे लघु सचिवालय से शुरू होकर महावीर चौक, बस स्टैंड, गोशाला रोड, पुलिस लाइन, जैन भवन से वापस महावीर चौक होते हुए लघु सचिवालय में समाप्त होगी। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के निर्देश अनुसार जिला प्रशासन की ओर से सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली गई हैं।

## गोशाला को सौंपे 1.16 करोड़ रुपये के चारा अनुदान राशि के चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली। गोशालाओं में गो माता के रखरखाव के लिए चेक वितरित करते हुए।

प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही गोशालाओं में गो माता के रखरखाव के लिए अनुदान राशि का वितरण शनिवार स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के अटेली कार्यालय में किया गया। अटेली में कुल आठ गौशालाओं को एक करोड़ 16 हजार सौ रुपये के चारा अनुदान राशि के चेक दिए गए। श्री कृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली को 18 लाख 79 हजार 650, बाबा हेमा दास गौशाला समिति भोजावास कनीना को 23 लाख 31 हजार 900, बाबा स्वामीनाथ योग आश्रम खेड़ी को 10 लाख 76 हजार 850, श्रीकृष्ण गोशाला समिति कनीना 23 लाख 89 हजार 50, जय बाबादयाल धर्मनाथ गौशाला समिति धनौंदा छह लाख 22 हजार 800, सेठ श्रीचंद्रमल आदर्श गोशाला पथवारा नगर नारनौल दो लाख 12 हजार 50, श्रीकृष्ण बाबा गोशाला माधोगढ़ सात लाख 96 हजार 500, बागेश्वर महादेव गोशाला बागोत छह लाख 38 हजार 100 रुपये चेक वितरित किए गए। बाल गोपाल गोशाला बिहाली के प्रधान कैप्टन महावीर प्रसाद ने बताया कि पूरे हरियाणा प्रदेश में उनकी गोशाला से एक गौ माता दूध देने में प्रथम आई है और उनकी गौशाला से एक सांड पूरे हरियाणा में दूसरे स्थान पर आया है। इस मौके पर विकास यादव, गोविंद गोस्वामी, प्रदीप तिगरा, कृष्णा, अटेली नगर पालिका चेयरमैन संजय गोयल आदि मौजूद थे।

## जिलास्तरीय खेल प्रतियोगिता में यदुवंशी कनीना ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

खेल के मैदान में एक बार फिर यदुवंशी कनीना ने अपनी प्रतिभा व मेहनत का लोहा मनवाया। हाल ही में संपन्न हुई जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में यदुवंशी कनीना की पांचवीं कक्षा की छात्रा पावी ने शॉटपुट में प्रथम व हाई जंप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा की कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट खेल भावना के चलते विद्यालय का नाम पूरे जिले में रोशन हुआ। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैनराव बहादुर सिंह ने विजेता खिलाड़ी का सम्मान किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा खेलों से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास होता है, बल्कि यह अनुशासन और टीम भावना भी सिखाते हैं। छात्र छात्राओं ने मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है, जिस पर हम सभी को गर्व है। प्राचार्य जितेंद्र कुमार यादव ने कहा कि यदुवंशी ग्रुप ने हमेशा से ही खेल और शिक्षा को संतुलित रूप में आगे बढ़ाने की परंपरा निभाई है।

महेंद्रगढ़। छात्रा पावी को सम्मानित करते चेयरमैन राव बहादुर सिंह। फोटो : हरिभूमि

## विद्या देवी स्कूल की छात्राओं ने जिलास्तरीय खेलों में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विजेता प्रतिभागियों के साथ स्कूल स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

विद्या देवी इंटरनेशनल स्कूल अटेली की छात्राओं ने एसजीएफआई खेलों जिलास्तर पर सराहनीय प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया। अंडर-11 वर्ग में साक्षी ने 100 मीटर में सिल्वर मेडल जीता। 4 गुणा 100 रिले रेस में में साक्षी अक्सिका, इशिका व आस्था ने बाजी मारी।

200 मीटर में साक्षी ने सिल्वर मेडल जीता। शॉटपुट में विधि ने ब्रॉन्ज मेडल और लॉन्ग जंप में साक्षी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंडर-14 में शॉटपुट में सुनील ने गोल्ड, डिस्कस थ्रो में सुनील ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। 80 मीटर हर्डल में मानवी ने सिल्वर मेडल व हाई जंप में मानवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगे। विजेता खिलाड़ियों के स्कूल पहुंचने पर प्राचार्य राजकुमार व डायरेक्टर विक्रांत यादव ने बधाई देते हुए इस उपलब्धि को बच्चों की मेहनत के साथ-साथ कोच ललित की मेहनत का भी फल बताया।

**आमजन हेल्पलाइन नंबर 15100 व 01282-250322 पर फोन कर ले सकते हैं कानूनी जानकारी**

## 117 वरिष्ठ नागरिकों को किए सहायक उपकरण वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के दिशा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सम्मान से जीवन अधिकार से रक्षा योजना के तहत शनिवार हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

नारनौल। सहायक उपकरण वितरित करती सीजेएम नीलम कुमारी।

सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि भारत सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए निशुल्क सहायक उपकरण देकर उनके सहज, गरीमापूर्ण जीवनयापन करने के लिए समर्पित है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आमजन को निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। कोई भी नागरिक नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर फोन कर निशुल्क लोक अदालत व अन्य कानूनी जानकारी ले सकता है। इस मौके पर अगेंद्र कुमार एवं प्रधानमंत्री दिव्याशा केन्द्र की इंचार्ज प्रिया चौधरी ने प्रधानमंत्री दिव्यांशा केन्द्र की ओर से दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क मिलने वाले सहायक उपकरणों के बारे में जानकारी दी। हरियाणा सीनियर सैकेंडरी स्कूल के चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा व निर्देशिका संगीता शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। 117 बुजुर्गों व दिव्यांगजनों को कान कि मशीन, कमर बेल्ट, व्हीलचेयर, वॉकर, चटिया, कप बोर्ड, निब्रेश, छड़ी सीट आदि सामान वितरित किया।

**ये रहे मौजूद**

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज, पार्षद नितिन चौधरी, ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद दितेन्द्र कुमार, प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट से संजय शर्मा, प्राचार्य अवनीश कुमार, डीपीई रामनिवास, संजय कुमार, मुकेश चंद, अशोक कुमार, नरेश कुमार, लक्ष्मी चौहान, वन्दना सैनी, अल्पना शर्मा, सुमन सहित समस्त अध्यापकगण व विद्यार्थी मौजूद थे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

# क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

**जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?**

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

## कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

## मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

## निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

## अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

## कई रूपों में नाकाबिल है एआई

**आज एआई** की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

# तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

**शिक्षक का बदलता स्वरूपः** प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

**कई दायित्वों का दबावः** अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

**आर्थिक कारणः** किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

**भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः** अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

**कार्य-परिस्थितिः** अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

**कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः** शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

## कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

# मातम

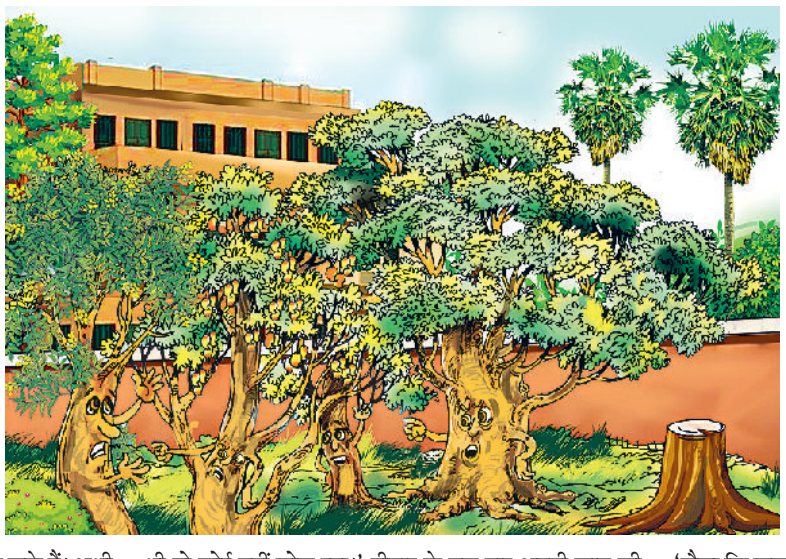

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

# भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

**पुस्तकः** असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

# अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

## बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

**केरल में** अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

## पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

**भारत के** पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

## कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

**पुडुचेरी को** 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

## अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

**गुजरात के** कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

## कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

**एक समय** तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

## सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

**भारत का** सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

# सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

**इसलिए जरूरी है लक्ष्यः** लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

**अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः** सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

**लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः** सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

# यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

**ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः** यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

**एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः** यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

**अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः** ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

**बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः** हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

**टेक्स्चर और फैब्रिकः** आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

**हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः** अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

**मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः** आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

# भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

**राज के किरदार में राज कपूरः** सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

**गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः** 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

**विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः** फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

**राज के किरदार में शाहरुखः** 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

**मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः** मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *